कल्पवृक्ष

उत्तर-पुस्तिका

6

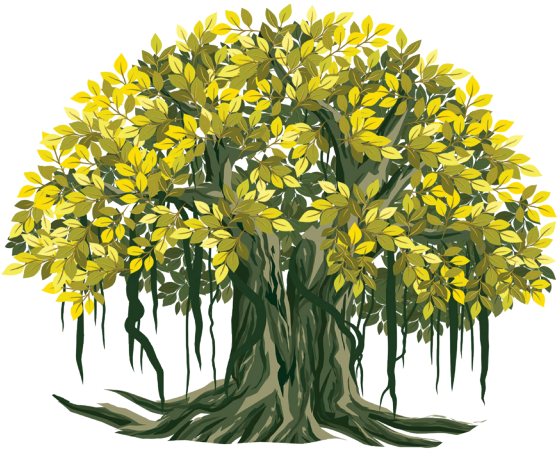

50 YEAR ANNIVERSARY
SOUVENIR
PUBLISHERS PVT. LTD.

पाठ - 1 पथ की पहचान

अभ्यास

बात-बात में

(क) कवि चलने से पहले पथ की पहचान करने की सलाह देता हैं।
(ख) पथ को अच्छा समझने से पथिक की यात्रा सरल बनेगी।
(ग) पुस्तकों में पथ की कहानी छापी गई हैं।
(घ) पैरों की।

लिखित

1. (क) डॉ हरिवंशराय बच्चन (ख) पथ की पहचान
2. (क) अच्छे बुरे परिणाम की चिंता छोड़कर जीवन में हमेंशा विकास के पथ पर अग्रसर रहना चाहिए।
   (ख) कविता में प्रयुक्त "जबानी" है दूसरों के मुंह से सुनी गई बात व् "निशानी" का अर्थ हैं - पैरों से रास्ते पर पड़ने वाले निशान।
   (ग) कविता से "सुमन" का तात्पर्य फूल कटकों के शर से कवि का तात्पर्य काँटों से हैं।
   (घ) कवि के अनुसार जीवन में किसी उद्देश्य को लेकर आगे बढने से पूर्व अत्यंत सोच विचारकर सही मार्ग चुनना चाहिए और न ही मार्ग से कोई विघ्न बाधाओं को भयभीत होना चाहिए।
3. राह - रास्ता पथ बाग - उपवन बगीचा
   शर - बाण तीर बुरा - खराब दुष्ट
4. अर्थ - धन ऐश्वर्य कर - हाथ टेक्स
   मत - विचार बुद्धि पर - पंख गैर
5. (क) प्रस्तुत पंक्तियों में कहा जा रहा हैं कि इस पथ से अधिक राही गुजर गए लेकिन उनका कुछ पता नहीं कुछ लोग इस पथ पर अपने पैरों की निशानी छोड़ गए हैं कवि आगे कहते हैं कि यह निशानी चुपचाप रहकर भी बहुत कुछ बोलती हैं।
   (ख) प्रस्तुत पंक्तियों में जीवन यात्रा की अनिश्चितता के बारे में बताया जा रहा है कि यहाँ के मार्ग के विषय में किसी को कोई जानकारी नहीं है। नहीं कहा जा सकता कि कहाँ नदी, पर्वत आदि मिलेंगे और कहाँ किस जगह पर बाग, उपवन आदि मिलेगा।
6. (क) कौन सहसा छूट जायेंगे मिलेंगे कौन सहसा
   आ पड़े कुछ भी रुकेगा तू न ऐसी आन कर ले।
   (ख) अनगिनत राही गए इस राह से उनका पता क्या,
   पर गए लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी।

(ग) पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।
यह बुरा है या कि अच्छा व्यर्थ दिन इस पर बिताना,
अब असंभव छोड़ यह पथ दूसरे पर पग बढाना।

खेल शब्दों का

1. जान अनजान
   चाहा अनचाहा
   मोल अनमोल
   सुनी अनसुनी
   कही अनकही
   पढ़ अनपढ़
2. ज़बानी – झाँसी की रानी की वीरता लोगों की ज़बानी सुनी जाती हैं।
   अनुमान – भूकंप का अनुमान लगाना असंभव कार्य है।
   चित्त – राजू पहलवान ने दूसरे पहलवान को चित्त की दिया।
   अनिश्चित – कल होने वाली बैठक अनिश्चित समय के लिए टाल दी गई है।
   शर – राम ने एक ही शर से कई से पेड़ों को काट दिया।
   समझ – जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता हैं, उसकी समझ बढती जाती है।

पाठ - 2 काकी

अभ्यास

बात-बात में

(क) श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कोहराम मचा हुआ है उसकी माँ नीचे से ऊपर तक एक कपड़ा ओढे हुए कंबल पर भूमि शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे घेरकर बड़े करुण स्वर में विलाप कर रहे हैं।

(ख) श्यामू आकाश की ओर इसलिए ताकता था क्योंकि वह समझ गया था कि उसकी काकी ऊपर राम के यहाँ गई हैं।

(ग) पतंग खरीदने के लिए श्यामू ने पिता के कोट की जेब से पैसे निकाले।

(घ) काकी

लिखित

1. (क) श्यामू की (ख) राम के
2. (क) पतंग उड़ती देखकर श्यामू का मन खिल उठा क्योंकि उसने सोचा कि काकी पतंग की डोर के सहारे नीचे आ सकती हैं।
   (ख) अपनी काकी को नीचे लाने के लिए श्यामू पतंग और डोर खरीदना चाहता था।
   (ग) विश्वेश्वर ने श्यामू को इसलिए मारा क्योंकि उसने जेब से पैसे निकाले थे।
3. (क) बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई हैं परन्तु यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं

नहीं ऊपर राम के यहाँ गई हैं। काकी के लिए कई दिन लगातार रोते-रोते उसका रुदन तो धीरे धीरे शांत हो गया, परन्तु शोक शांत न हो सका।

(ख) पत्नी की मृत्यु से विश्वेश्वर अंदर तक टूट चुके थे जब एक दिन श्यामू ने उनसे पतंग माँगने के लिए कहा तो वे उदास भाव से केवल इतना कह सके की माँगा दूंगा पत्नी की मृत्यु के बाद से ही वें बहुत अनमने से रहते हैं।

(घ) एक दिन श्यामू और भोला विश्वेश्वर के कोट की जेब से रुपया निकालकर पतंग और डोर ले आए दोनों पतंग पर काकी लिखवाकर पतंग को ऊपर काकी के पास भेजने की तैयारी कर रहे थे। अकस्मात उग्र रूप धारण किए विश्वेश्वर शुभ कार्य में विघ्न की तरह वहाँ जा घुसे।

खेल शब्दों का

1. (क) कठिनता - सरलता गंभीर - चंचल शोक - हर्ष
   उग्र - शांत उदास - खुश शुभ - अशुभ
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।
4. छात्र स्वयं करें।

पाठ - 3 व्यवहार कुशलता

अभ्यास

बात-बात में

(क) भाषण देने के लिए खड़ा विद्यार्थी पाँच दस वाक्य बोलकर ही बैठ गया क्योंकि उसका भाषण जमा नहीं जिससे वह घबरा गया था।

(ख) लेखक ने उस विदार्थी से कहा कि जब मैंने अपना पहला भाषण दिया था तो मैं भी मुश्किल से तीन चार वाक्य ही बोल पाया था। तुमने फिर भी काफी हिम्मत दिखाई है।

(ग) लोगों ने सहानुभूति और प्रोत्साहन की जरूरत तब होती है जब उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता है।

(घ) युवक ने लेखक का धन्यवाद इसलिए किया क्योंकि लेखक ने उसका आत्मविश्वास बढाया था।

लिखित

1. (क) अनंतगोपाल शेवड़े (ख) विद्यार्थी
2. (क) मानव की दो मूल प्रवृतियों होती हैं - एक तो यह की लोग हमारे गुणों की कद्र करें हमें दाद दें और हमारा आदर करे। उनके जीवन यह कि वे हमसे प्रेम करें हमारा अभाव महसूस करें उनके जीवन में हम कुछ महत्व रखते हैं-ऐसा अनुभव करें।

   (ख) व्यवहार कुशलता सामाजिक जीवन में लोकप्रिय बनने का गुण है।

(ग) दूसरों की भावनाओं को ठीक ठाक समझना उनकी कद्र करना उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार कुशलता है।

(घ) (अ) कोई जब हमसे सलाह माँगने आता है तो हमारा मन प्रसन्नता से फूल जाता है क्योंकि हमे ऐसा प्रतीत होता है कि हममे भी कोई ऐसी-कुशलता है जिससे सामने वाला हमसे सलाह माँग रहा हैं।

(ब) हमें हृदय से निकलने वाली सच्ची भावना से दूसरों के सुख दुःख में शामिल होता चाहिए इसमें कोई भावना हमे दूसरों के साथ प्रेम के सूत्र में बांध सकती हैं।

(स) जब लोग त्रस्त हो पराजित हो या शोकग्रस्त हो तभी उन्हें हमारी सहानुभूति सहायता या प्रोत्साहन की जरूरत होती है उस समय उनका आत्मविश्वास लडखड़ा जाता है उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते है वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते है अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते है।

खेल शब्दों का

1. दाद देना – जब मैंने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तो सभी ने मेरी दाद दी।
   खिल्ली उड़ाना – जब रवि गिरा तो उसके दोस्तों ने उसकी खिल्ली उड़ाई।
   खिल उठना – जब बच्चे ने अपने खिलौने देखे तो उसका चेहरा खिल उठा।
   मन फूल जाना – जब सोनिया को पता चला कि उसे नौकरी मिल गयी तो उसका मन फूल गया।
   कुंजी हाथ लगना – जब रवि को गणित का प्रश्न समझ नहीं आया तो उसे शिक्षक की कुंजी हाथ लग गयी।
2. परिवार – पारिवारिक दिन – दैनिक मास – मासिक
   पुराण – पौराणिक इतिहास – ऐतिहासिक जीव – जैविक
3. सभापति – सभा का पति रसोईघर – रसोई के लिए घर
   आनंदमग्न – आनंद में मगन घुड़सवार – घोड़े पर सवार
   दो-चार – दो या चार तन-मन – तन और मन
4. स्वयं करें।

पाठ - 4 कद्दू का चमत्कार

अभ्यास

बात-बात में

(क) राजा ने बहुत बड़ी दावत दी दावत में उसने परियों की रानी को भी बुलाया परियों की रानी राजा से बहुत खुश हुई।

(ख) परियों की रानी ने राजा को कद्दू उपहार दिया जिसे पकाकर खाने से सभी पशु पक्षियों की बोली समझी जा सकती थी।

(ग) रसोईए जोनसन को कद्दू की सब्जी बनाने के लिए कहा राजा ने जोनसन को चेतावनी दी कि वह न तो कद्दू को खुद चखे और न ही किसी और को खाने दे।

लिखित

1. (क) परियो की रानी (ख) कद्दू (ग) दूध (घ) चीटियों को (ङ) पाजेब
2. (क) जोनसन पशु पक्षियों की बोली इसलिए समझने लगा क्योंकि उसने कद्दू की सब्जी खा ली थी।
   (ख) जोनसन का घोड़ा राजा के घोड़े से बोला तुम इतना धीरे क्यों चल रहे हो? राजा गिर जाएगा घोड़ो की बात सुनकर जोनसन जोर जोर से हँसने लगा।
   (ग) जोनसन ने जंगल में जलता हुआ पेड़ देखा जिसमे से चींटियाँ निकल रही थी। उसने तुरंत आग बुझायी और चीटियों को जलने से बचाया।
   (घ) पहली शर्त यह थी कि राजकुमारी की मोतियों की माला घनी घास वाले बाग से टूटकर बिखर गई थी उसके सारे मोती ढूँढकर माला बनाकर लानी होगी दूसरी शर्त यह थी कि समुद में तैरते हुए राजकुमारी की पाजेब पानी में गिर गई थी, उसे ढूँढना होगा तीसरी शर्त के रूप में जीवन जल और मृत्यु जल लाना होगा।
3. (क) पक्षियों (ख) चमत्कार (ग) मृत्युदंड (घ) चिल्लाती
   (ङ) सुनहरा (च) सुंदर (छ) जान
4. बूढा – राजा
   दयालु – जोनसन
   सुनहरा – द्वीप
   तीन – शर्त
   जीवन – जल

खेल शब्दों का

1. (क) उस (ख) मुझसे (ग) तुम्हे (घ) तुम्हें (ङ) मुझे (च) किसकी
2. (क) आलोचना (ख) त्योहार (ग)सामग्री (घ) पैत्रिक (ङ) अतिथि
   (च) साप्ताहिक
3. (क) भाग जाना (ख) वचन का पालन करना (ग) बिल्कुल अच्छा न लगना
   (घ) दिल ललचाना (ङ) घबरा जाना
4. (क) सभी श्रोतागण मोदी जी का भाषण सुनने को उत्सुक थे।
   (ख) राजा शिकार के लिए वन गए थे।
   (ग) अध्यापक ने मोहन पर तरस खाकर क्षमा कर दिया।
   (घ) दूसरों से कुछ मदद लेने पर हमे धन्यवाद कहना चाहिए।
   (ङ) दूसरों को दिया वचन हमे अवश्य निभाना चाहिए।

पाठ - 5 मानव बनो मानव ज़रा

अभ्यास

बात-बात में

(क) कवि विश्व का कण-कण आसुओ से सींचने के लिये कह रहा है।
(ख) कवि ने सबसे बड़ी भूल किसी को आसरा करने को माना है।
(ग) कविता में प्यार मनुहार और आसरा को भूल माना गया है।
(घ) कवि आँसू दिखाने के लिए मना कर रहे है।

लिखित

(क) अश्रु (ख) आसरा करना (ग) हरा (घ) उर्वरा

2. (क) हुंकार करने के धरती थरथरा उठेगी।
   (ख) किसी का आसरा करने से कवि ने सबसे बड़ी भूल इसलिए माना है क्योंकि दूसरों का आसरा करने वालो को लोग दीन हीन समझते है।
   (ग) मानव को दूसरों का आसरा करना शोभा नहीं देता।
   (घ) कविता में हाथों को मलने के लिए मना किया गया है।
   (ङ) कवि मानव बनने की प्रार्थना कर रहा है।
   (च) किसी का आसरा देखने की कवि ने बुरा इसलिए कहा है क्योंकि स्वयं को दीन हीन समझकर आंसू बहाते रहना मानव का गुण नहीं है।
   (छ) मानव बनो मानव जरा से कवि का अभिप्राय है कि मानव होकर हमे मानव जैसा ही व्यवहार करना चाहिए हमे दूसरों के आसरे न रहकर स्वयं पर भरोसा रखना चाहिए।
   (ज) अश्रु दिखलायो नहीं तथा हाथ फैलायो नहीं इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि न हमे किसी के सामने आंसू बहाने चाहिए और न ही कभी किसी के सामने हाथ फैलाने चाहिए अर्थात हमे स्वयं पर भरोसा करना चाहिए।
   (झ) हुंकार से धरती थरथराने से कवि कहना चाहता है कि हमे इस प्रकार निडर होकर जीना चाहिए कि कोई हमसे व्यर्थ उलझने की कोशिश न करे।
   (ञ) धरा को उर्वरा करने के लिए कवि का यह तात्पर्य है कि लगन एवं कर्मशीलता के बल पर मनुष्य बंजर भूमि को भी उपजाऊ बना सकता है।

खेल शब्दों का

1. चोर - चोरी
   हरा - हरियाली
   आलसी - आलस
   मानव - मानवता
   सिलना - सिलाई
   लूटना - लूट

गिरना – गिरावट
हँसना – हँसी
निकट – निकटता
भूखा – भूख

2. (क) मरीज से बोला नहीं जा रहा है।
(ख) उससे दौड़ा जा रहा है।
(ग) राम से सोया जा रहा है।
(घ) रोगी से खाँसा जा रहा है।
(ङ) बालक से बोला जा रहा है।

पाठ – 6 वीरता का सम्मान

अभ्यास

बात-बात में

(क) सिकंदर ग्रीस (यूनान) का सम्राट था।
(ख) पुरुपंचनंद प्रदेश का राजा था।
(ग) आंभी तक्षशिला का राजा था।
(घ) आंभी साधारण से आसन पर बैठा हुआ था।

लिखित

1. (क) पुरु को (ख) संधि (ग) तक्षशिला का (घ) वीरता का
2. (क) महाराजा आंभी की सहायता से ही सिकंदर ने पुरुराज पर विजय प्राप्त की थी, इसी कारण वे आंभी पर आभारी थे।
(ख) द्वार रक्षक ने सिकंदर से कहा – महाराज की जय हो! सेनापति महाराज पुरु को बंदी बनाकर लाये थे वे उन्हें आपकी सेवा में प्रस्तुत करना चाहते हैं।
(ग) पुरु शिविर ने प्रवेश करके सिकंदर से कहा कि मैं भारत वीर पुरु यूनान नरेश का अभिवादन करता हूँ।
(घ) सिकंदर ने महाराजा पुरु के सामने मित्रता का प्रस्ताव रखा।
(ङ) सिकंदर भारत को राष्ट्र नहीं मानता था क्योंकि भारत राष्ट्र में राजा परस्पर लड़ते रहते थे।
(च) अरे पुरु। तुम बंदी बना लिए जाने पर भी अपने को भारत वीर कह रहे हो? ऐसा कहते हुए तुम्हें शर्म नहीं आ रही है।
(छ) वीरता वीरभाव में है आंभी! मैंने तो अपनी पूरी शक्ति और पराक्रम से युद्ध किया है। तुमने क्या किया, तुमने तो शत्रु के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। तुम तो देशद्रोही हो तुम्हें इतिहास कभी क्षमा नहीं करेगा।
(ज) सिकंदर ने जब पुरुराज को उनके बंधन में होने की बात समझाई तो पुरु ने उत्तर दिया कि महाराज! वीर पुरुष के लिए बंधन और मरण अथवा जय और पराजय बराबर हैं। मुझे खुशी है कि मैंने अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा और

ईमानदारी से निभाया है। भगवान कृष्ण ने भी कहा हैं-"कर्म करो, फल की इच्छा मत करो।"

(झ) पुरुराज ने सिकंदर के मित्रता के प्रस्ताव को ठुकराकर कहा कि यूनान नरेश! मैं आपकी चाल अच्छी तरह से समझ रहा हूँ। आप मुझसे मित्रता करके भारत राष्ट्र के अन्य राज्यों पर विजय पाना चाहते हैं आंभी इस बात पर प्रत्यक्ष प्रमाण है।

(ञ) सिकंदर पुरुराज की सत्यवादिता और विचारों से प्रभावित थे। उन्होंने पुरुराज की वीरता का सम्मान करते हुए उन्हें बंधनमुक्त कर दिया।

खेल शब्दों का

1. (क) कुसुम द्वारा आँगूठी खरीदी गई।
   (ख) क्या तुम्हारे द्वारा यह कहानी पढ़ी गई।
   (ग) माँ द्वारा बच्चों को सुलाया गया।
   (घ) गगन से पुस्तक पढ़ी जाती है।
   (ङ) घोड़े से घास खायी जाती है।
   (च) अक्षय से फुटबॉल खेली जाती है।
2. पंडित - पंडिताइन पंडा - पंडाइन
   ओझा - ओझाइन बनिया - बनियाइन
   गुरु - गुरुवाइन बाबू - बबुआइन
   चौबे - चौबाइन लाला - लालाइन
   दुबे - दुबाइन हलवाई - हलवाइन
3. (क) परतंत्र (ख) अनुपस्थित (ग) उपजाऊ जमीन
   (घ) अयश (ङ) पूर्णत: (च) अभिशाप

पाठ - 7 श्रम की प्रतिष्ठा

अभ्यास

बात-बात में

(क) दिनभर काम करने के बाद रात को गहरी नींद आती हैं।

(ख) दिमागी कार्य करने वाले मजदूरों को नीच समझते हैं।

(ग) धर्मराज के राजसूय यज्ञ में भगवान कृष्ण ने जूठी पत्तलों उठाने और पोछा लगाने का काम किया।

(घ) ज्ञानी खा सकते हैं और आशीर्वाद दे सकते हैं। काम नहीं कर सकते।

लिखित

1. (क) व्यसन से (ख) राजसूय (ग) रामायण की (घ) पृथ्वी
2. (क) दिनभर शारीरिक श्रम करने वाले मजदूर ही इस पृथ्वी के वास्तविक आधार हैं इसलिए भगवान ने मजदूरों को कर्मयोगी कहा।
   (ख) जो व्यक्ति अपना पसीना बहाकर दिनभर मेहनत कर रोटी कमाता है वह धर्म पुरुष कहलाता हैं।

(ग) जिसके जीवन में पाप चिंतन की गुंजाइश न हो उसका जीवन धार्मिक होना चाहिए।

(घ) कई प्रकार के व्यसन मजदूरों में होते हैं, इसलिए उनके जीवन में भी पाप होते हैं।

(ङ) सीता जी के वन जाने की बात सुनकर कौशल्या माता ने कहा कि सीता का जाना कैसे होगा? मैंने तो उसे दीप की बाती भी नहीं जलाने दी।

(च) धर्मपुरुष के जीवन में पाप आसानी से प्रवेश नहीं कर सकता क्योंकि वह हमेशा धर्म के रास्ते पर चलता है और मानसिक रूप से सुदृढ़ होता है।

(छ) सभी मजदूरों को भी कर्मयोगी नहीं माना जा सकता क्योंकि हर कोई कर्म को पूजा नहीं समझता वे तो मजबूरी कर्म में करते हैं।

(ज) पाठ में राम जी के वनवास की कहानी बताई गई है जिसमें सीता जी भी माता कौशल्या से राम जी के साथ वन जाने को कह रही हैं।

(झ) श्री कृष्ण के कार्य माँगने पर धर्मराज ने कहा कि आपको क्या काम दें। आप तो हमारे लिए पूज्य हैं, आदरणीय हैं। आपके लायक हमारे पास कोई काम नहीं है।

(ञ) श्रम की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए हमें दिमागी काम और श्रम के मूल्य में अंतर कम करना होगा। शारीरिक श्रम करने वालों को भी इज्जत देनी होगी।

खेल शब्दों का

1. (क) तो (ख) क्योंकि (ग) और (घ) या (ङ) ताकि (च) परंतु (छ) अन्यथा (ज) इसलिए

2. (क) (क) क्या अभिषेक श्वेता का भाई हैं?
   (ख) क्या मेरे चाचा जी जयपुर गए है?
   (ग) क्या कविता बाजार जाएगी?
   (घ) क्या आशीष काम करता हैं?
   (ङ) क्या अजय आया है?
   (च) क्या सीमा रो रही हैं?

   (ख) (क) सुरेश कल आगरा नहीं गया।
   (ख) यह चित्र शायद जतिन ने बनाया था।
   (ग) मैंने नई कमीज पहनी थी।
   (घ) वह बहुत अच्छी कहानी लिखती थी।
   (ङ) वह आया था।
   (च) उसके कपडें पुराने थे।
   (छ) धूप खिली हुई थी।
   (ज) वर्षा हो रही हैं।

पाठ - 8 आभार

अभ्यास

बात-बात में

(क) 1945 में फ्लेमिंग को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
(ख) फ्लेमिंग की डॉक्टर बनने की इच्छा को उसके मित्र ने पूरा किया।
(ग) यह कहानी विंस्टन चर्चिल और अलेक्जेंडर फ्लेमिंग को समर्पित हैं।
(घ) बचपन में विंस्टन चर्चि को अलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने बचाया।

लिखित

1. (क) लंदन (ख) अलेक्जेंडर फ्लेमिंग (ग) सरदी (घ) डॉक्टर
2. (क) बचपन में फ्लेमिंग ने अपने मित्र को बर्फ जमे तालाब में डूबने से बचाया।
   (ख) खराब आर्थिक स्थिति के कारण फ्लेमिंग उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जा सके।
   (ग) बचपन में चर्चिल के मित्र ने उन्हें डूबने से बचाया ताकि उसी श्रण को चुकाने के लिए कालांतर में वे अपने मित्र की खोज खबर निकल पड़े
   (घ) चचित ने लंदन विश्व विद्यालय में डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए नामांकन की सारी व्यवस्था और पढ़ाई के पूरे खर्च का इंतजाम कराकर अपने मित्र की डॉक्टर बनने की इच्छापूर्ति की।
   (ङ) इंग्लैंड में सर्दी के मौसम में कुछ बच्चे में बर्फ के गोले बनाकर एक दूसरे पर फेंक रहे हैं।
   (च) अपने मित्र द्वारा बचपन में दिए जीवनदान के बदले कुछ न कर पाने के कारण चर्चिल खुद को कृतघ्न प्राणी महसूस कर रहे हैं।
   (छ) एक बार चर्चिल गंभीर रूप से एक असाध्य रोग ग्रसित हो गए। डॉक्टरों की सलाह पर पेनीसिलीन द्वारा उनका इलाज संभव हो सका इस प्रकार फ्लेमिंग द्वारा खोजी गई पेनीसिलीनो द्वारा चर्चिल पुनः प्राण रक्षा हुई।
   (ज) फ्लेमिंग मानता था कि उसने अपने मित्र पर कोई उपकार नहीं किया हैं, इसी कारण वह अपने मित्र से मदद नहीं लेना चाहता था।
   (झ) बचपन में चर्चिल साथियों के साथ एक बर्फ जमे तालाब पर खेल रहा था तभी उसके पैरो के नीचे की बर्फ चटकने से एक बड़ा सा गाढ़ा बन गया और धीरे धीरे उसमें डूबने लगा।
   (ञ) फ्लेमिंग के शोध का विषय था - "हरित फफूंदी इस शोध द्वारा फ्लेमिंग ने "पेनीसिलीन" नामक औषधि का आविष्कार किया। यह औषधि लाखों दोरियो को मौत के मुहँ से बचाकर एक क्रांतिकारी उपलब्धि सिद्ध हुई।

खेल शब्दों का

1. (क) प्रार्थना (ख) स्पर्धा (ग) परिहास (घ) व्यय (ङ) अमूल्य (च) छाया
   (छ) निर्णय (ज) महिलाएँ

2. (क) चाचा जी कल आगरा जा रहे हैं।
   (ख) सुरेश का पेन गिरकर टूट गया।
   (ग) रिया अपने भाई का चित्र बना रही हैं।
   (घ) सूरज प्रातः निकलता हैं।
   (ङ) गुरु जी व्याकरण पढ़ा रहे है।
3. बाल - बालक, केश
   कुल - घराना, सब
   पद - पैर, रोहे के पद
   कनक - सोना, गेंहू
   तार - धातु के तार, तार (टेलीग्राम)
   मधु - शहद, मधुमक्खी
   कल - बीता हुआ कल, आने वाला कल
   हार - पराजय, गले का हार

पाठ - 9 भगतसिंह के पत्र

अभ्यास

बात-बात में

(क) भगतसिंह के भाई जेल में माँ जी को साथ लेकर आए थे।
(ख) भगतसिंह के भाई का नाम कुलबीर सिंह था।
(ग) भगतसिंह को अंतिम परीक्षा अर्थात फांसी का बेताबी से इंतजार था।
(घ) भगतसिंह के विचार में फैसले और चालान के बाद मुलाकातों पर से पाबंदी हट जायेगी।

लिखित

1. (क) जेल में (ख) भगतसिंह (ग) साम्राज्यवाद (घ) कुलदीप सिंह
2. (क) भगतसिंह बहुत ही समझदार और दूसरों के दुःख से दुखी होने वाले इंसान थे।
   (ख) भगतसिंह के फांसी से बच जाने पर क्रांति का प्रतीक चिह्न मद्धिम पड़ जाएगा या संभवतः मिट ही जाएगा।
   (ग) भगतसिंह ने अपना अंतिम पत्र बलिदान से एक दिन पहले अपने कैदी साथियों को लिखा।
   (घ) एक दिन माँ जी भगतसिंह से जेल में मुलाकात करने गई थी उनसे मुलाकात की इजाजत नहीं दी गई यही उनकी घबराहट का कारण था।
   (ङ) माँ जी की घबराहट और परेशानी का भगतसिंह ने यह नुकसान बताया कि इससे वह स्वयं भी बेचैन हो रहे हैं इससे कुछ मिलता भी नहीं।
   (च) भगतसिंह इस शर्त पर जिन्दा रहना चाहते थे कि वे कैद होकर या पाबंद जीना नहीं चाहते थे।
   (छ) भगतसिंह के अनुसार उनका नाम हिन्दुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन गया हैं।

(ज) भगतसिंह माँ जी को साथ लेकर आए और मुलाकात का आदेश न मिलने से निराश होकर वापस लौट गए।

(झ) भगतसिंह को अपने देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने की वजह से स्वयं पर गर्व था।

(ञ) भगतसिंह ने पत्र पर अपने भाई को संदेश दिया कि हमे साहस से हालत का मुकाबला करना चाहिए और बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने से भी पीछे नहीं हटना चाहिए।

खेल शब्दों का

1. उत्तीर्ण – अनुत्तीर्ण प्राप्य – अप्राप्य आय – व्यय
   निद्रा – जागरण देय – लेनदार सुघड़ – अस्त-व्यस्त
   अनिवार्य – वैकल्पिक भूषण – वेशभूषा जटिल – सरल
2. क्रम क्रिया विक्रिय
   कर्म धर्म गर्म
   ट्रक ट्रेन ट्रोफी
   घर अमर डर
3. सुनार – सुनारिन
   रूपवान – रूपवती
   लोटा – लुटिया
   बाबू – बबुआइन
   पंडित – पंडिताइन
   भाई – बहन
   आचार्य – आचार्ये
   राजपूत – राजपूतनी
   बंदर – बंदरिया
   देवर – देवरानी
   डिब्बा – डिबिया
   नाती – नातिन

पाठ - 10 वीरों की पूजा

अभ्यास

बात-बात में

(क) पूजा करने वालो ने पीतांबर पहन रखा था।

(ख) मतवाले मस्ती में झूमते हुए चल रहे थे।

(ग) जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ी।

(घ) कवि मतवाला वीर शहीदों को कह रहा हैं।

लिखित

(क) सतियों की (ख) चितौड़ (ग) थाल (घ) पथ

2. (क) सन्यासी की आँखे तीर्थ राज चितौड़ देखने को प्यासी हैं।
   (ख) सुंदरियों ने देश के लिए जौहर व्रत करना सीखा।
   (ग) सन्यासी कवि की पथ भूलने की बात का उत्तर देते कहता है कि मुझे गंगा सागर और रामेश्वर काशी नहीं जाना। मेरी आँखे तो तीर्थ राज चितौड़ देखने को तरस रही हैं।
   (घ) कवि ने चितौड़ को "तीर्थराज" इसलिए कहा क्योंकि चितौड़ वीर सपूतों की भूमि हैं।
   (ङ) वीर मंडली ने गर्वित होकर जय जयजय माँ की बोली।
   (च) कविता में गंगा सागर, रामेश्वर, काशी आदि तीर्थस्थलों के नाम आए हैं।
   (छ) पूजन के लिए जाने वाला व्यक्ति मस्ती में झूमता जा रहा हैं और उसके पास फूल माला और दीपक हैं।
   (ज) कवि सन्यासी को मस्ती में झूमते आते देख पथ भूलने की बातें करता हैं।
   (झ) जौहर व्रत एक प्रकार का आत्म बलिदान या आत्म साहुति होती थी। जब युद्ध भूमि में राजपूत योद्धा वीरगति को प्राप्त हो जाते थे तो उनकी पत्नियाँ अग्नि कुंड में अपना जीवन बलिदान कर देती थी जिससे उन्हें शत्रुओं के हाथों अपमानित न होना पड़े।
   (ञ) अपने अचल स्वतंत्र दुर्ग पर दुश्मनों की टेडी निगाह पड़ते ही जवानों की टोली तलवार लेकर निकल पड़ी।

खेल शब्दों का

1. शूरवीर, दरबार, महाराज, पनघट, सफलता, अनुरोध, शलजम, सहयोग
2. (क) चालक (ख) सफेद (ग) कड़वा (घ) सहनशीलता (ङ) ठंडा
   (च) मेहनती (छ) गहरा (ज) सुरीला

अभ्यास प्रश्न पत्र -1

1. (क) परियों की रानी (ख) साम्राज्यवाद (ग) सतियों की (घ) पाजेब
2. (क) सिकंदर भारत को एक राष्ट्र नहीं मानता था क्योंकि भारत राष्ट्र में राजा परस्पर लड़ते रहते हैं।
   (ख) भगतसिंह के फांसी से बच जाने पर क्रांति का प्रतीक चिह्न मद्धिम पड़ जाएगा या संभवत: मिट ही जाएगा।
   (ग) भगतसिंह को अपने देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने की वजह से स्वयं पर गर्व था।
   (घ) सन्यासी कवि की पथ भूलने की बात का उत्तर देते हुए कहता है कि मुझे गंगा सागर और राजेश्वर काशी नहीं जाना मेरी आँखें तो तीर्थराज चितोड़ देखने को तरस रही है।
   (ङ) पुरुराज ने सिकंदर के मित्रता के प्रस्ताव को ठुकराकर कहा कि यूनान नरेश मैं आपकी चाल अच्छी तरह से समझ रहा हूँ आप मुझसे मित्रता करके

भारत राष्ट्र के अन्य राज्यों पर विजय पाना चाहते है। आभी इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

3. यहाँ कवि जीवन यात्रा रूपी पथ के बारे में कह रहे है कि यह अच्छा है या बुरा इस बात को लेकर दिन गवाना बेकार है अब यह संभव नहीं है कि तुम इस पथ को छोड़कर किसी अन्य पथ पर बढ़ सको।
4. मुझे न जाना गंगा सागर,
   मुझे न रामेश्वर काशी
   तीर्थ राज चितौड़ देखने
   को मेरी आँखे प्यासी
5. कठिनता - सरलता गंभीर - चंचल शोक - हर्ष उग्र - शांत
   उदास - खुश शुभ - अशुभ
6. इक = इक पारिवारिक = पौराणिक इक = दैनिक इक = ऐतिहासिक
   इक = इक मासिक - जैवि = इक
7. (क) क्या अभिषेक श्वेता का भाई है?
   (ख) क्या मेरे चाचा जी जयपुर गये है?
   (ग) क्या कविता बाजार जाएगी?
   (घ) आशीष क्या काम करता है?
   (ङ) क्या अजय आया है?
   (च) क्या सीमा रो रही है?
8. (क) प्रार्थना (ख) स्पर्धा (ग) परिहास (घ) व्यय (ङ) अमूल्य (च) छाया
   (छ) निर्णय (ज) महिलाएँ

पाठ - 11 खिड़की से झाँकते चूहे

अभ्यास

बात-बात में

(क) शेर के एकदम पास पहुँचने पर शेर लेखक का कुछ नहीं बिगाड़ सका क्योंकि शेर पिंजरे में बंद था।

(ख) लेखक शेर से इसलिए नहीं डरता क्योंकि शेर दरवाजे के नीचे की जरा सी जगह से अंदर नहीं घुस सकता।

(ग) "अक्षर खबर" पत्रिका में खबर छपी थी - "अमेरिका में चूहा बच्चे को खा गया?

(घ) चूहा किसी ऋषि के वरदान से शेर बन गया।

लिखित

1. (क) भेड़चाल (ख) अक्षर खबर (ग) ऋषि को (घ) चूहे को
2. (क) लेखक को चिड़ियाघर का नाम अजीब लगता था क्योंकि चिड़ियाघर में केवल चिड़िया ही नहीं होती और भी जानवर होते है।

(ख) शेर बनकर चूहा ऋषि को ही खाने को दौड़ पड़ा।

(ग) चिड़ियाघर में बहुत से जानवर होते है जैसे - हाथी, शेर, बाघ, चीता, जिराफ, हिरन आदि।

(घ) जब शेर ऋषि को खाने लपका तो ऋषि ने कमंडल से जल लिया और मंत्र पढ़कर शेर पर छिड़क दिया शेर फिर से चूहा बन गया

(ङ) जब लेखक के पिता जी ने उनके भाई को चूहा पकड़ने के लिया कहा तो भय के मारे उनके भी सर्दियों में भी पसीने पसीने हो गए।

(च) लेखक एक दिन पलंग पर बैठकर टीवी देख रहे थे कि तभी वहाँ चूहा धमका चूहे को देखते ही वे पलंग से कूदे और सोफे पर खड़े हो गए इस कूद फांद में उनके घुटने छिल गए।

(छ) नीचे के घरों में चूहे सुरंगे करके घुस जाते हैं।

(ज) चूहे को देखते ही वे चिल्लाते है "अरे आनंद! देख इसे पकड़कर बाहर फेक आ वह देख मेरी अलमारी में घुस गया है। अरे! मेरा गरम सूट कुतर जाएगा जल्दी कर इसे पकड़।"

(झ) हम सबसे अधिक चूहे से डरते है क्योंकि चूहे हमारे घरों में कही से भी आ धमकते हैं।

(ञ) समाचार पत्र मोटे मोटे अक्षरों में छपा था- "देश भर में चूहा मार योजना स्वीकृत"। पूरे समाचार का सार था कि देश में अनाज को सबसे अधिक हानि चूहे पहुँचाते है। चूहे खेतों में बड़ी फसलों और गोदामों में पड़ा सैंकड़ो टन अनाज खा जाते है। सरकार ने चूहों को मारने के लिए एक हजार करोड़ रुपए खर्च करने का निर्णय लिया है।

3. लक्ष्मी, उल्लू, सरस्वती, हंस, गणेश, चूहा, शकर, बैल, इंद्र, हाथी, विष्णु,गरुड

खेल शब्दों का

1. (क) इस्टेशन (ख) दीन (ग) चूना (घ) कूल (ङ) अस्थान (च) छमा (छ) दधा (ज) पुत्तर (झ) कारड
2. गुच्छा - फूलों का, भीड़ - लोगों की, मंडली - पशुओ की, झुंड - भक्तों की टुकड़ी - सेना की, ढेर - अनाज का, दल - टिड्डियो का, गड्डी - ताश की
3. सही, गलत, गलत, गलत, गलत, सही

पाठ -12 तुम हारते ही रहे एवरेस्ट

अभ्यास

बात-बात में

(क) एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली प्रथम महिला जुंको ताबेई थी।

(ख) एवरेस्ट का चीनी नाम "चोमो लुंगमा" और नेपाली नाम "सागरमाथा" हैं।

(ग) एवरेस्ट शिखर पहुँचने वाले प्रथम किशोर का नाम तेबात्शेरी तथा किशोरी का नाम मिंगकिपा हैं।

(घ) संसार का सर्वोच्च पर्वत शिखर एवरेस्ट हैं।

(ङ) एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रथम प्रयास जोर्ज-मेलोरी और एड्रयू इरविन ने किया।

लिखित

1. (क) 29,032 (ख) तीन (ग) अकेले (घ) ब्रिटेन
2. (क) पर्वतारोहण मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इससे मनुष्य में सूझ बूझ और साहस का विकास होता है संकटों का सामना करने की क्षमता भी उत्पन्न होती है। आत्मविश्वास बढ़ता हैं सहकारिता, कर्मठता और धैर्य जैसे गुण भी विकसित होते हैं।

   (ख) एवरेस्ट की चढ़ाई करते वक्त जुंकोताबेई भयंकर शीत के कारण गंभीर रूप से बीमार हो गई साथियों ने उसे और ऊपर चढ़ाई करने से मना कर दिया पर दृढ़ संकल्पी जुंकोताबेई ने अदम्य साहस का परिचय देते एवरेस्ट पर पहुँचकर ही दम लिया।

   (ग) रेनहोल्ड मेसनर इटली की पर्वतारोही थे।

   (घ) एवरेस्ट पर चढ़ते समय तेनजिंग के पैरो के नीचे की बर्फ धसक गई वे किसी तरह हजारों फीट गहरे गड्ढे में गिरने से बचे इस प्रकार उनका प्रथम अभियान सफल न हो सका।

   (ङ) जोर्ज-मेलोरी और एड्रयूइरविन पर चढ़ते हुए 23,000 फीट की ऊँचाई तक पहुँच गए लेकिन वहाँ से कभी वापस नहीं लौटे।

   (च) आपा शेरपा बारह बार एवरेस्ट फतह करने वाले पर्वतारोही थे।

   (छ) एवरेस्ट जैसे सर्वोच्च शिखर पर चढ़ाई कर पाना अत्यंत जोखिम का काम है यानि इतनी ऊँचाई पर आक्सीजन की कमी भयंकर बर्फीले तूफान टूटकर गिरते हुए हिमखंड बर्फ से ढक जाने के कारण दिखाई न देने वाले मीलों गहरे गड्ढे पर्वतारोही को हर क्षण मौत की दिशा में आमंत्रित करते रहते है।

   (ज) एक दिन तेनजिंग और हिलेरो बर्फ की ऊँची दीवारों के बीच में से ऊपर चढ़ने का रास्ता बना रहे थे तभी हिलेरो के पैरो के नीचे की बर्फ धस गई और वे एक गहरी दरार के नीचे जा गिरे तेनजिंग और हिलेरी दोनों एक रस्सी से बँधे हुए थे। तेनजिंग किसी तरह संभले उन्होंने तुरंत अपनी कुल्हाड़ी बर्फ में गाड़ दी और हिलेरी को और नीचे गिरने से रोक लिया फिर धीरे धीरे रस्सी खींचकर उन्हें मौत के मुँह से बाहर निकाला।

   (झ) सन 1965 में कैप्टन एम. एस. कोहली के नेतृत्व में दो भारतीय पर्वतारोही दलों ने भी एवरेस्ट पर पहुँचने में सफल रही। बछेंद्रिपाल-एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला थी। संतोष यादव भी एवरेस्ट शिखर तक पहुँचने वाली एक अन्य भारतीय महिला थी।

   (ञ) जोर्ज-मेलोरी और एड्रयू इरविन एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास करने वाले सबसे पहले पर्वतारोही थे। ये दोनों ही ब्रिटेन के निवासी थे। ये दोनों 8 जून 1924

को एवरेस्ट के उत्तरी छोर से आगे बढ़ते हुए 23,000 फीट की ऊँचाई तक तो पहुँच गए लेकिन अफसोस वे वहाँ से कभी वापस नहीं लौटे अभागे मेलोरी का शव तो 75 वर्ष बाद मई 1999 में बर्फ में दबा हुआ मिला। चाहे बाधाएँ कितनी भी दुर्लभ हो मनुष्य असफलताओं से निराश होकर चुप बैठने वाला प्राणी तो नहीं प्रत्येक कठिन चुनौती उसमे और नवीन उत्साह का संचार कर देती है लेकिन सन 1934 में ब्रिटेन के मारिसविल्सन तो सच में दुस्साहस ही कर बैठे वे अकेले ही एवरेस्ट विजय प्राप्त करने की लालसा में विल्सन ने भी घनी बर्फ में ही अपने प्राण त्याग दिए। फिर सन 1938 में टिलमैन के नेतृत्व में शेरपातेनजिंग के पैरो के नीचे की बर्फ धसक गई वे किसी तरह हजारों फीट गहरे गड्ढे में गिरते गिरते बचे यह दल केवल 27,000 फीट ऊँचाई तक ही पहुँच सका 1947 में डेनमान और तेनजिंग ने एवरेस्ट पर चढ़ने का फिर से असफल प्रयास किया 1952 में पर्वतारोही डॉ. डूनंततेनजिंग और लेबर्ट 28,250 फीट की ऊँचाई तक पहुँचने में सफल रहे किन्तु एवरेस्ट अभी भी अविजित बना हुआ था।

खेल शब्दों का

1. (क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) निश्चयवाचक सर्वनाम (ग) निजवाचक सर्वनाम (घ) संबंधवाचक सर्वनाम (ङ) निजवाचक सर्वनाम (च) निश्चयवाचक सर्वनाम
2. पुराणों के अनुसार एक वृक्ष उगाने से उतना ही पुण्य मिलता है, जितना गरीबों को भोजन कराने से मिलता है वृक्ष ही किसी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते है। वे ही पर्यावरण की रक्षा के कवच तथा पक्षियों के आश्रयस्थल भी होते है। वृक्षों के बिना मनुष्यों तथा अन्य जीवों का जीवित रहना असंभव है। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोककर व भूमिगत जलस्रोतों को नियंत्रित करके पृथ्वी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखते है। वृक्ष वर्षा करने में सहायक होते है इस प्रकार वे वातावरण में नमी को बनाए रखते है आधुनिक युग में वृक्षों की अंधाधुंध कटाई के कारण अनेक प्राकर्तिक विपत्तियों को जन्म ले लिया है तथा पर्यावरण प्रदूषित हो गया है। इन सभी मुसीबतों से बचने का केवल एक ही उपाय है अधिक से अधिक वृक्षारोपण वृक्षों के महत्व के कारण ही भारत में प्रतिवर्ष वन महोत्सव मनाया जाता है।
3. (क) सन सनीखेज - आश्चर्यजनक आज तक न्यूज चैनल पर आई एक सनसनीखेज ने हीरा उड़ा दिया।
   (ख) कीर्तिमान - सचिन अपने खेल से अनेक कीर्तिमान स्थापित किए।
   (ग) छोर - किनारा गंगा के उस छोर पर बहुत हरियाली है।
   (घ) साहस - बहादुरी आज मोहन ने बहुत साहस का काम किया।
   (ङ) शिखर - ऊँचाई आज हमारा देश शिखर पर पहुँच चुका हैं।
   (च) तंबू - अस्थाई शिविर पर्वतरोहियों ने एवरेस्ट पर पहुँचकर तंबू गाड़ लिए हैं।

पाठ - 13 मिजोरम की सैर

अभ्यास

बात-बात में

(क) देश का 23 वाँ राज्य मिजोरम है।

(ख) तीन सदियों पहले चीन के मिजो जाति के लोगों ने बसाया था, इसी कारण इसका नाम "मिजोरम" पड़ा।

(ग) ताम लेक मछलियों व कपडों के लिए मशहूर हैं।

(घ) मिजोरम का इकलौता एयरपोर्ट लेग्पई में स्थित्त हैं।

लिखित

1. (क) 23 वाँ (ख) 4000 (ग) फान्पई (घ) वनत्वांग

2. (क) वनत्वाग मिजोरम के थेनजान हिल स्टेशन के पास थे तथा इसकी उँचाई 750 फीट है।

   (ख) चम्फई तक पहुँचने के लिए मिजोरम के खेती वाले क्षेत्र से गुजरना पड़ता है। धुएँ भरी पहाडियों के बीच चावल के लहराते खेतों की सुंदरता इसकी विशेषता है।

   (ग) फान्पई मिजोरम की सबसे ऊँची पीक है और प्रक्रति प्रेमियों के अलावा एडवेंचर लवर्स को भी खूब आकर्षित करती हैं।

   (घ) प्रक्रति की अनूठी छटा भरा पूरा कल्चर मजेदार त्यौहार एन्जॉय करवाने वाले डांसेज खुशगवार मौसम हैरान कर देने वाला हेंडीक्राफ्ट वर्क और एडवेंचर के लिए मस्त जगहें। इन वजहों से कोई भी टूरिस्टप्लेस मिजोरम में रक्षक जरूर करेगा।

   (ङ) लगभग 112 साल पुराना किलेनुमा यह शहर समुद्र तल के 4000 फीट की ऊँचाई पर बसा है। नीला आकाश ओस भरी सुबह और सूरज की रोशनी में चमकते दिन इस शहर की खूबसूरती में चार चाँद लगाते हैं।

   (च) मिजोरम के जंगल एडवेंचरलवर्स को बहुत लुभाते हैं। इनकी हरियाली बे. मिसाल हैं,ये जंगल फ्लोरा और फाना की दृष्टि से बेहद रिच हैं।

   (छ) यह आईजाल से तकरीबन 200 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ आने के लिए आप मिजोरम के खेती वाले क्षेत्र से होकर गुजरेंगे वैसे यह शहर म्यांमार की सीमा के पास हैं।

   (ज) मिजोरम के विभिन्न पयटन स्थल हैं - आई जाल तामलेक वाटर फॉल वन त्वागचम्फाई और मिजोरम की सबसे ऊँची पीक फान्पई।

   (झ) मिजोरम का एकलौता एयरपोर्ट लेग्पई में स्थित हैं। यह आईजाल के बेहद करीब है और कोलकाता से यहाँ तक की उड़ान महज एक घंटे की है एयरपोर्ट से टैक्सी से शहर आने में आपको तकरीबन एक घंटा और लगेगा।

(ञ) मिजोरम के थेनजान हिल स्टेशन के पास हैं, इसका सबसे ऊँचा वाटरफॉल वनत्वांग। इसकी ऊँचाई 750 फीट है और आईजाल से इसकी दूरी 15 किलोमीटर की है। इस क्षेत्र की खूबसूरती पहली ही नजर में लोगों को अपने मोहपाश में बांध लेती हैं।

3. उड़ीसा, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड, असम

खेल शब्दों का

1. (क) ग्रह – नक्षत्र
   गृह – घर
   (ख) सपुत्र – पुत्र सहित
   सुपुत्र – अच्छा पुत्र
   (ग) अर्ध – आधा
   अर्घ्य – जल चढ़ाना
   (घ) प्रमाद – उन्माद
   प्रमोद – प्रसन्नता
   (ङ) कीर्ति – कार्य
   (च) रक्त – खून
   रिक्त – खाली
   (छ) अभिराम – सुंदर
   अविराम – बिना रुके
   (ज) कर्म – काम
   क्रम – योजना
   (झ) उदार – दयालु
   उदर – पेट
   (ञ) कंकाल – हड्डियों का ढांचा
   कंगाल – भिखारी
2. (क) कबीर आलोचना की।
   (ख) राजीव ने मुझसे पैसे माँगे थे।
   (ग) सुधा ने गमला तोड़ दिया।
   (घ) मैंने फुटबॉल खेली।
   (ङ) मैंने जाने निश्चय किया।
   (च) मैंने हर फिल्म देखी है।
   (छ) सुरेश ने खाना खाया है।
3. अश्रु – आँसू मयूर – मोर कर्ण – कामन भगिनी – बहन
   असित – हड्डी कूप – कुआं भ्रमर – भँवरा आम्र – आम
   उष्ट्र – ऊँट निद्रा – नींद

पाठ - 14 वीरसिंह डरपोक

अभ्यास

बात-बात में

(क) एक पागल भैसा बाजार में घुस आया था, जिसके कारण बाजार में भगदड़ मची हुई थी।

(ख) बोदा ने कर्म के द्वारा वीरसिंह कहलाने का निश्चय किया।

(ग) बोदा महाशय को बुद्धू से बहुत चिढ थी।

(घ) पुरोहित का नाम पलटराम था।

लिखित

1. (क) वीरसिंह (ख) बुद्धू (ग) पुरोहित (घ) चतुरसिंह

2. (क) बोदा शेर की तरह दहाडेर रबड़ की गेंद की तरह उछलकर भैसे के सींग से लटक गया। भैंसे से मुकाबला किया।

   (ख) भैसा काले भूत सा गुराता गरजता अभी मोटी गर्दन और मुरायी सींगो से झोकोरता सामने से दौड़ा आ रहा था।

   (ग) भैंसे को देखकर वीरसिंह की देह थरथरा गई वे ऐसे हिल गए जैसे हवा की सूखी टहनी।

   (घ) साँप को मारने के लिए बोदा महाशय निहत्थे ही चले गए और अंत में वह चारो खाने चित जमीन पर गिरकर थरथर काँपने लगे मानो उन्हें मिरगी का दौरा पड़ा हो।

   (ङ) बोदा को नाम बदलने के लिए पंडित जी ने यह सुझाव दिया कि तुम इसे कर्म करो की लोग तुम्हें बोदा की जगह वीरसिंह कहने लगे।

   (च) पुरोहित जी ने बालक का नाम बोदा रखा क्योंकि बालक का जन्म बुध वानशत्र- में हुआ था।

   (छ) साँप को न मारने का बोदा ने कारण बताया कि साँप को देवता माना गया है और इसे मारने से हमे पाप लगता हैं।

   (ज) पुरोहित जी के सुझाव सुनकर बोदा महाशय के सामने समस्या उठ खड़ी हुई कि वे कौन से कर्म करे जिनसे लोग वीरसिंह कहने लगे बोदा चक्कर में पड़ गए कि बहादुरी का काम तो कभी अपने बाप दादा ने नहीं किया अपना क्या करे।

   (झ) बोदा महाशय जब बाजार में पहुँचे, तब वहाँ भगदड़ मची हुई थी। एक पागल भैंसे ने बाजार में हडकंप मचा रखा था। लोग जान बचाने के लिए इधर उधर भाग रहे थे।

   (ञ) भागते हुए लोगों ने बोदा पर फब्ती कसी "जियो मिट्टी के शेर भैंसा तुम्हारी सूखी ककड़ी जैसी काया देखकर गश खा जाएगा।

खेल शब्दों का

1. उदेश्य विधेय
   (क) बच्चा
   (ख) लोग हँसते होंगे
   (ग) बच्चे विद्यालय में पढ़ रहे है।
   (घ) चोर भागता जा रहा था
   (ङ) वह खाना खा कर विद्यालय जाता है
   (च) तितली के आकार वाली पतंग आसमान में उड़ेगी
   (छ) उन्होंने हद पार कर दी होगी
   (ज) उसने साँप को फन के पास से दबाया
2. झील – झीलें भावना – भावनाएँ भेड़िया – भेडिये
   चुहिया – चुहियाँ बोतल – बोतलें आत्मा – आत्माएँ रूपया – रूपए
   समिति – समितियाँ साधु – साधुओं विद्या – विद्याएँ
3. महेश – क्या यह रेलवे पूछताछ कार्यालय है?
   कर्मचारी – जी हाँ, यह रेलवे पूछताछ कार्यालय है।
   महेश – कृपया मुझे जानकारी दे कि क्या मगध एक्सप्रेस ठीक समय से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँच रही है।
   कर्मचारी – नहीं इसके आधा घंटा देरी से पहुँचने की उम्मीद है।
   महेश – क्या इसके और भी देरी से आने की उम्मीद है।
   कर्मचारी – नहीं
   महेश – अच्छा कृपया यह बात दे कि यह कौन से प्लेटफार्म नंबर पर आ रही है।
   कर्मचारी – प्लेटफार्म – 2 पर आ रही है
   महेश – धन्यवाद

पाठ – 15 संसार-दर्पण

अभ्यास

बात-बात में

(क) महल के अंदर की तरफ काँच जड़े हुए थे।
(ख) कवि ने संसार की तुलना शीशे से की है।
(ग) आदमी ने शानदार महल बनवाया था।
(घ) कुत्ता महल में फँस गया था।

लिखित

1. (क) बेकरार (ख) महल (ग) शीशे की (घ) दुश्मनों की
2. (क) कवि ने कुत्ते को कमजोर दिल का इसलिए नहीं माना है, क्योंकि प्रतिबिंब में बहुत सारे कुत्ते देखकर भी वह घबराया नहीं था।

(ख) कवि ने संसार को शीशे के समान माना हैं क्योंकि जैसे भी हम दिखते हैं शीशा ठीक वही छवि प्रस्तुत कर देता हैं। इसी प्रकार संसार भी हमारे चरित्र को उजागर करता है भलों के लिए वह भला है और बुरो के लिए बुरा।

(ग) जब कुत्ता भौंकता है तो दर्पण में दिख रहे सैकड़ों कुत्ते भी भौंकते है, जिसे वह दुश्मनों की चाल समझता है।

(घ) "संसार दर्पण" कविता में स्पष्ट किया गया है कि हम संसार में रहकर दूसरों के साथ जो आचरण करते है अर्थात् यह संसार अच्छे लोगों के लिए अच्छा और बुरे लोगों के लिए बुरा है।

(ङ) कुत्ते के भौंकने पर पूरा गुबंद गूँजने लगा।

(च) शीश महल में प्रवेश करते ही उसे सैकड़ों कुत्ते दिखाई देने लगे जो वास्तव में उसी के प्रतिबिंब थे। उन्हें देखकर जोर जोर से भौकने लगा।

(छ) कुत्ता खुद आँखे तरेर तरेरकर कुत्तों को देख रहा था, इसी कारण उसे लगा कि सैकड़ों कुत्ते उसे घेरकर घूर रहे है।

(ज) महल की दुनिया कुत्ते की नकल पर हैरान थी।

(झ) (अ) वह कुत्ता कमजोर दिल का नहीं था। इतने सारे कुत्तो को देखकर भी घबराया नहीं था बल्कि दिमाग से काम ले रहा था। वहाँ ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे किसी फूस के घर चिराग छू गया हो।

(ब) जब कुत्ता भौंकने लगा तो महल का गुबंद गूँजने लगा। कुत्ते को भौंकने का जवाब मिलने लगा। उसको ऐसे हिसाब मिलने लगा जैसे आदमी अपने खर्चो का हिसाब रखता है।

खेल शब्दों का

1. दृढ़ – दृढ़तर दृढ़तम
   मधुर – मधुतर मधुतम
   निकट – निकतर निकतम
   प्रिय – प्रियतर प्रियतम
   न्यून – न्यूनतर न्यूनतम
2. (क) गोलमाल करना – गड़बड़ घोटाला करना – परीक्षा के समय छात्रों ने गोलमाल करके नकल करने की कोशिश की।

   (ख) कलेजे पर पत्थर रखना – दिल मजबूत करना – रिया ने कलेजे पर पत्थर रखकर झूला झूला।

   (ग) उधेड़बुन में पड़ना – सोच में पड़ना – जब रमा को पता चला की उसकी नौकरी खतरे में है, तो वह उधेड़बुन में पड़ गयी।

   (घ) अगर-मगर करना – टालमटोल करना रीना हमेशा अगर-मगर करके काम टलती रहती है।

   (ङ) तिल का ताड़ बनाना – बात को बढ़ाना – छोटी सी गलती को लेकर राहुल और जय ने तिल का ताड़ बना दिया।

(च) नानी याद आना – बहुत घबरा जाना – जब विदेश में रहते हुए रिया को घर की याद आई तो उसे नानी याद आ गयी।

(छ) झंडा गाड़ना – जीत प्राप्त करना – इस प्रतियोगिता में जीत हासिल करके रितेश ने सफलता का झंडा गाड़ दिया।

3. (क) पक्षी (ख) अभिलाषा (ग) आँख (घ) दिवस (ङ) झंडा

पाठ – 16 फूल का मूल्य

अभ्यास

बात-बात में

(क) शित के प्रचंड से पुष्प सूख गए थे।

(ख) बुद्धदेव वाट वृक्ष की छाया में पदमासन लगाकर विराजित थे।

(ग) सुदास एक माली था।

(घ) सुदास के मन में सर्वप्रथम राजा को पुष्प देने का विचार आया।

लिखित

1. (क) एक माशा सुवर्ण (ख) तथागत (ग) सुदास (घ) पुष्प

2. (क) भगवान बुद्ध का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उज्ज्वल ललाट मुख पर आनदं की प्रभा होठो पर मधुर मुस्कान और नयनों से छलकता अमृत।

(ख) शीत के प्रचंड जहाँ सभी पुष्प सूख गए थे वही सुदाल का पुष्प वसंतकाल के पुष्पों को नहीं मात दे रहा था अर्थात बहुत ही मनोहरी था इसी कारण उसका पुष्प विशिष्ट था।

(ग) अंत में सुदास ने फूल भगवान बुद्ध के चरणों में चढ़ा दिया।

(घ) भगवान बुद्ध से सुदास ने उसके चरणों की रज का एकमात्र कण माँगा।

(ङ) भक्त ने फूल खरीदने का कारण बताया की मुझे यह फूल राजाओं के भी राजा भगवान बुद्ध के श्री चरणों में चढ़ाना है।

(च) राजा कमल के फूल को देखकर हर्षित हुए क्योंकि वे सोच रहे थे कि प्रभु के पूजन के लिए आज पुष्प की कमी थी वह पूरी हो जाएगी।

(छ) शीत प्रचंड से पुष्प सुख गए थे। कुंज वीथियों और वन उपवनों में समस्त तरूगण शिशु विहीन माता पिता की तरह उदासीन से खड़े थे।

(ज) राजा ने दस माशा सुवर्ण और भक्त ने एक माशा सुवर्ण फूल का मूल्य बढ़ाते गए।

(झ) जब भक्त ने फूल का मूल्य राजा द्वारा लगाए गए मूल्य से बढ़ाकर बीस माशा सुवर्ण कर दिया तो राजा का हृदय विषण्ण हो गया।

(ञ) शीत के कारण सभी पुष्प सूख चुके थे परन्तु सुदास का पुष्प इस अकाल में भी खिला हुआ था इसी मुंह मांगा मूल्य प्रदान करेंगे।

खेल शब्दों का

1.	महाराजा	महान राजा	कर्मधारय समास
	कमल	कमल के समान नयन	कर्मधारय समास
	आजन्म	जन्म से लेकर	अव्ययीभाव समास
	गिरिधर	गिरी को धारण करने वाला	तत्पुरुष समास
	निडर	जिसे डर ना हो	कर्मधारय समास
	त्रिलोचन	तीन लोचन का समाहार	द्रिगु समास

2. स्वयं करें।

पाठ - 17 हमारे वीर जवान

अभ्यास

बात-बात में

(क) भारतीय सेना ने श्रीनगर अथवा हवाईअड्डे का पूरा इंतजाम कर लिया था।

(ख) मेजर सोमनाथ शर्मा 6 जनवरी 1923 को पैदा हुए थे।

(ग) मेजर सोमनाथ शर्मा कश्मीरी घाटी के बडगाँव नामक एक गाँव के समीप तैनात थे।

(घ) यह पाठ मेजर सोमनाथ शर्मा को समर्पित है।

लिखित

1. (क) पाकिस्तान (ख) 3 नवंबर 1947 (ग) 6 जनवरी 1923 (घ) बडगाँव

2. (क) मेजर शर्मा जानते थे कि उगते सूरज को निगलने के लिए चारों ओर से आँधी सशोब-विप्लव उठते उमड़ते आ रहे है अगर इनको हराया नहीं गया तो देश पर हमेशा के लिए अंधकार के बादल छा जाएँगे तथा प्रज्वलित दीप की ज्योति बुझ जाएगी देश की इज्जत नष्ट हो जाएगी और साथ ही साथ देश के नाम पर कालिख पुत जाएगी। भारत का पराक्रम बदनाम हो जाएगा।

(ख) जब मेजर सोमनाथ शर्मा की चौकी को तीनों ओर से घेर लिया गया तब वह सिपाहियों की हिम्मत बढ़ा रहे थे। उनके साथी सिपाही भी साहस में अपने मेजर का अनुकरण कर रहे थे।

(ग) जब दुश्मन ने सोमनाथ शर्मा और उनके साथी सिपाहियों का पराक्रम देखा तो दुश्मन को पहली बार पता लगा कि इस धरती पर अपनी जान से भी ज्यादा अपने देश के प्रति लगाव रखने वाले अभी विद्यमान है।

(घ) जब मेजर सोमनाथ शर्मा अपने सिपाहियों से कहा की देश के लिए खुश होकर कुर्बानी देने की घडी बड़े खुशनसीबो को मिलती है तो सभी सिपाही एक नए उत्साह से भर उठे।

(ङ) मेजर सोमनाथ शर्मा के सिपाहियों की बहादुरी देखकर दुश्मन के सिपाहियों की आँखे से विवशता और हालत हो गई थे जैसे वे जबरदस्ती इस युद्ध में धकेले गए है।

(च) मुख्य कार्यालय से मेजर सोमनाथ शर्मा को पीछे हटकर किसी सुरक्षित स्थान पर मोर्चा लेने का आदेश मिला।

(छ) अपनी माँ के लिए प्राण न्योछावर कर देने वाले बेटे कभी माना नहीं करते वे तो अमर होकर देश की रंगों में बस जाते जाते है इस पंक्ति का आशय यही है कि हमारे दिलों में हमेशा हमेशा के लिए बस जाते है। वे मरकर भी अमर हो जाते है।

(ज) जब तक संसार में चाँद तारों का अस्तित्व रहेगा जब तक गंगा यमुना कृष्णा कावेरी की धाराए बहती रहेगी जब तक हिमालय अपना गाव्वोनत मस्तक किए भारत का प्रहरी बना खड़ा रहेगा जब तक सागर महान भारतवर्ष के चरणों को परखता रहेगा तब तक अपनी भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे देने वाले वीर सपूतों का नाम चारों दिशाओं में प्रतिध्वनित होता रहेगा।

(झ) दुश्मन की योजना थी कि वह इन गिनती के भारतीय सिपाहियों को राह से हटाते हुए सीधा जाकर कश्मीर के हवाई अड़डे और श्रीनगर पर हक जमा लेंगे वे बेचारे जानते कहाँ थे कि अपने देश पर विपदा आने पर भारत का बच्चा बच्चा सिपाही बन जाता है और हर सिपाही फौलादी दीवार के समान अंडिग होता है।

(ञ) मेजर सोमनाथ शर्मा दुश्मनों द्वारा मोटर तोपों से हो रहे हमलो को एक नाकाम कर नक से तत्पर थे तभी दुश्मनों के एक गोले से वह वीर गति को प्राप्त हो गए। उन्हें भारत सरकार ने प्रथम परमवीर चक्र विजेता घोषित कर सम्मानित किया।

खेल शब्दों का

1. सड़ा - गला चलते - फिरते रुखा - सूखा हरा - भरा
   साफ - सुथरा टूटा - फूटा दुबला - पतला काला - पीला
   अनाप - शनाप उल्टा - सीधा
2. (क) सच (ख) बाप रे बाप (ग) शाबाश! (घ) छीछी! (ङ) हाय
   (च) अरे (छ) अच्छा (ज) वाह!
3. (क) सभी किसानों ने बीज बोए।
   (ख) अब विवाह में दो दिन बचे है।
   (ग) ठंडी हवा बह रही है।
   (घ) चाचा जी ने अखबार पढ़ा।
   (ङ) मैं दर्शन देने आया हूँ।
   (च) यह बात पिता जी से पूछो।
   (छ) नेताजी ने भाषण दिया।
   (ज) लड़का चलते चलते ठहर गया।

पाठ - 18 कलम और बंदूक

अभ्यास

बात-बात में

(क) अपने एक मित्र कवि पृथ्वीराज का पत्र पढ़ते ही राणा प्रताप की सारी निराशा मिट गई।

(ख) कलम ने गुनगुनाते हुए अपने और बंदूक के लिए कहा मैंने सबको ज्ञान दिया सम्मान दिया उजियार दिया पर बंदूको ने दुनिया को केवल हाहाकार दिया।

(ग) कलम के अनुसार यह कहना झूठ है कि बंदूक में बड़ी शक्ति होती है।

(घ) ज्ञान के बिना मनुष्य पशु के समान है।

लिखित

1. (क) ज्ञानी (ख) कलम ने (ग) ज्ञान (घ) हाहाकार

2. (क) सब जगह मेरा बोलबाला है।विदयालयो में मेरा आदर है कार्यलयों में मेरे बिना काम नहीं चलता व्यापारी के बही खाते मैं लिखती हूँ अखबारों में लेख पुस्तकें सभी कुछ लिखने में मेरी जरुरत होती हैं, न्यायालय में मैं विराजमान हूँ देशो में आपसी संधिपत्रो को मैं लिखती हूँ राजनेता मुझे लेकर हस्ताक्षर करते है।

(ख) जब कलम अपने को बंदूक से अधिक ताकतवर कहती है तो बंदूक अहंकार सहित ललकारती है तो आओ मुझसे भिड़कर देख लो एक मिनट में दाल आटे का भाव पता चल जाएगा।

(ग) बंदूक अपने गुणों का बखान करते हुए कलम से कहती है तू नहीं जानती मोर्चे पर सिपाही मेरे बल पर ही तो चोर डाकुओ को मार भागता है मैं देश को फतह करने की ताकत रखती हूँ। मेरी सूरत देखकर अच्छे से अच्छे साहसी लोगों के भी होश उड़ जाते है।

(घ) कलम अपनी जादुई ताकत को बताने के लिए अकबर और महाराणा प्रताप के बीच हुए हल्दीघाटी के युद्ध का वर्णन करती है।

(ङ) कलम और बंदूक के बीच होने वाले संवाद का आशय यही है कि दोनों ही एक दूसरें पर अपनी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते है।

(च) कलम और बंदूक के झगड़े का निपटारा एक वृद्ध व्यक्ति दोनों की अपनी अपनी महता बताकर करता है।

(छ) मुझसे लिखना सीखकर लोग ज्ञानी बनते है उस ज्ञान से ही संसार की छोटी बड़ी चीजे बनती है ज्ञान न होता तो मनुष्य पशु के समान होता वेद कुरान बाईबिल गुरु ग्रंथ साहिब रामायण महाभारत जैसे महान ग्रंथ सब मेरा ही तो करिश्मा है।

(ज) कलम बंदूक को अहंकार की पुतली पुकार कहती है तुम अपने बड़े डील डौल पर इतरा रही हो और मेरे छोटे शरीर की हँसी उड़ा रही हो शरीर के

छोटे बड़े होने से क्या होता है असली बात तो गुणों की है जहाँ गुण होते है वही सच्ची शक्ति होती है।

(झ) कलम बंदूक के अवगुणों को गिनाते हुए कहती है तुम डाकू के हाथ में आकर निर्दोष स्त्री पुरुष को मौत के घाट उत्तार देती हो आतंकवादी की गोद में बैठकर तुम मौत का घिनौना रूप दिखाती हो।

3. शाहजहाँ बाबर अकबर औरंगजेब हुमायूँ जहाँगीर

खेल शब्दों का

1. (क) टिमटिमाना - तारों धड़कना - दिल छलछलाना - आँख
   लपलपाना - जीभ फाड़फड़ाना - होठ किटकिटाना - दांत
   खनकना - कंगन गरजना - बादल
2. (क) दूध (ख) गिरगिट (ग) फूल (घ) अंगद (ङ) चाणक्य
3. (क) अल्पज्ञ (ख) गणितज्ञ (ग) कृतज्ञ (घ) इतिहासकार (ङ) सर्वज्ञ

पाठ - 19 अंतरिक्ष सूट में बंदर

अभ्यास

बात-बात में

(क) बूढ़े बाबा झील के पास ही पेड़ो के झुरमुट में रहते थे।

(ख) बूढ़े बाबा ने लड़की को खाने पीने के लिए दूध और फल दिए।

(ग) बाबा के पास बंदर बंदरिया और गाय थी।

(घ) लड़की ने एक सेकेंड में पांच हजार किलोमीटर की उडान भरी।

लिखित

1. (क) बूढ़े साधु (ख) कश्मीर में (ग) बंदर (घ) अंतरिक्ष सूट
2. (क) उन्होंने बंदरिया के गले में रस्सी का फंदा डालकर पेड़ की ऊँची डाल से बाँध दिया और उसे सडासड़सेटिया मारने लगे। बंदरिया जोर जोर से चीं-चीं-चीं चिल्लाने लगी। बंदर उसकी आवाज सुनकर घबरा गया और उलटे सीधे चक्के घुमाकर नीचे आने के जतन करने लगे।

   (ख) लड़की हमारी पृथ्वी पर कश्मीर में अमरनाथ के पास एक झील के किनारे उतरी। यहाँ उतरकर उसने सबसे पहले स्नान किया।

   (ग) अंतरिक्ष सूट में लड़की को देखकर बंदरो को हैरानी उन्हें शायद यह अचरज लगा होगा कि यह जो अभी प्यारी-प्यारी लड़की जैसी लग रही थी एकाएक बेदुम की विचित्र बंदरिया कैसे बन गई।

   (घ) पाठ में अन्य धरतियों की सभ्यता को हमसे अधिक बढ़ा चढ़ा हुआ इसलिए बताया गया है क्योंकि उन्होंने अंतरिक्ष सूट बना लिए है जिसे पहनकर वहाँ के बच्चे आकाश में लाखों मील की सैर आसानी से कर लेते है।

(ङ) लड़की ने अपने अंतरिक्ष सूट में लगी नन्ही शक्तिशाली मशीनों की सहायता से बहुत ही तेज गति से उड़कर एक दिन में अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी तक की उड़ान पूरी की।

(च) लड़की को हमारी दुनिया अपनी दुनिया से कई प्रकार से भिन्न लगी वहाँ का पानी यहाँ जैसा निर्मल और शीतल नहीं होता हवा से भी ऐसी बहार नहीं इतने चटक रंग के सुंदर सुगंधित फूल भी उसने पहली ही बार देखे थे।

(छ) अन्य धरतियों पर आकाश में तेज गति से उड़ने वाले अंतरिक्ष सूट बना लिए गए है।

(ज) पाठ में लड़की की विशेषता बताई गई है कि वह बड़ी तेज पर साहसी है और अपने स्कूल की अंतरिक्ष दौड़ो में प्रथम आती है।

(झ) लड़की के माता पिता बाबा जी के लिए एक अंतरिक्ष सूट लाए उन्होंने बाबा जी से कहा कि हमारी दुनिया की सैर करने चलिए बाबा जी ने उनकी प्रार्थना यह कहकर अस्वीकार कर दी कि जब उनके भारत के बच्चे बड़े होकर ऐसा ही सूट ईजाद कर लेंगे तभी वह जायेंगे।

(ञ) अंतरिक्ष सूट पहनकर बंदर आकाश में उड़ने लगा वह कभी ऊपर जाता तो कभी नीचे उसकी इन हरकतों से आकाश में उड़ रहे पक्षी भी परेशान थे।

खेल शब्दों का

1. क) लम्बी (ख) दो (ग) ग्रामीण (घ) चार किलो (ङ) कुछ
   (च) उस (छ) छठा (ज) धार्मिक
2. शब्द प्रत्यय मुल शब्द पूर्व अर्थनया अर्थ

अड़ियल	अल	अड़ना अड़ जाना	अड़ने वाला
कमेरा	एरा	काम कार्य	काम करने वाला
खिलौना	औना	खेल खेल	खेलने की वस्तु
लिखाई	आई	लिखना	
बहाव	आव	बहना	
घबराहट	आहट	घबराना	
थकान	आन	थकना	
झगड़ालू	आलू	झगड़ा	
बाजीगर	गर	बाजी	

3. (क) अनूठा (ख) अज्ञेय (ग) अनंत (घ) अविस्मर्णीय (ङ) गोपनीय
   (च) शाश्वत (छ) उपयुक्त (ज) कृतज्ञ (झ) अमर (ञ) कुलीन

अभ्यास प्रश्न पत्र - 2

1. (क) भेड़चाल (ख) 6 जनवरी 1923 (ग) ऋषि (घ) तथागत
2. (क) पर्वतारोहण मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है। इससे मनुष्य में सूज-बूझ और साहस का विकास होता है संकटों का सामना

करने की क्षमता भी उत्पन्न होती है। आत्मविश्वास बढ़ता है। सहकारिता कर्मठता और धैर्य जैसे गुण भी विकसित होते है।

(ख) उन्होंने बंदरिया के गले में रस्सी का फँदा डालकर पेड़ की ऊँची डाल से बांध दिया और उसे सडासड़सेटिया मारने लगे। बंदरिया जोर जोर से चीं-चीं-चीं चिल्लाने लगी। बंदर उसकी आवाज सुनकर घबरा गया और उलटे सीधे चक्के घुमाकर नीचे आने के जतन करने लगे।

(ग) आपा शेरपा बारह बार एवरेस्ट फतह करने वाले पर्वतारोही थे।

(घ) भगवान बुद्ध का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उज्ज्वल ललाट मुख पर आनंद की प्रभा होठो पर मधुर मुस्कान और नयनों से छलकता अमृत।

(ङ) जब मेजर सोमनाथ शर्मा अपने सिपाहियों से कहा की देश के लिए खुश होकर कुर्बानी देने की घडी बड़े खुशनसीबों को मिलती है तो सभी सिपाही एक नए उत्साह से भर उठे।

3. यह संसार बिल्कुल शीशे की तरह है। जिस प्रकार आप शीशे से अपने आपको हूबहू देखते है, उसी प्रकार संसार भी है। आप जैसा व्यवहार करते है ठीक वैसे ही प्रतिक्रिया आपको मिलती है। यह संसार अच्छों के लिए अच्छा और बुरों के लिए बुरा है।
4. वह उठा झुझुला इधर भी सैकड़ों उठे।
   मुँह खुला उसका उधर भी सैकड़ों मुँह बा उठे।
5. शाहजहाँ बाबर अकबर औरंगजेब हुमायूँ जहाँगीर
6. (क) अनूठा (ख) अज्ञेय (ग) अनंत (घ) अविस्मर्णीय (ङ) गोपनीय
   (च) शाश्वत (छ) उपयुक्त (ज) कृतज्ञ (झ) अमर (ञ) कुलीन
7. अश्रु - आँसू मयूर - मोर कर्ण - कामन भगिनी - बहन
   असित - हड्डी कूप - कुआँ भ्रमर - भँवरा आम्र - आम
   उष्ट्र - ऊँट निद्रा - नींद
8.

महाराजा	महान राजा	कर्मधारय समास
कमल	कमल के समान नयन	कर्मधारय समास
आजन्म	जन्म से लेकर	अव्ययीभाव समास
गिरिधर	गिरी को धारण करने वाला	तत्पुरुष समास
निडर	डर ना हो जिसे	कर्मधारय समास
त्रिलोचन	तीन लोचन का समाहार	द्रिगु समास